Political science

2 CHAPTER

द्वितीय विश्व का विघटन एवं द्वि ध्रुवीयता का अंत - Disintegration of Second World and the End of Bipolarity

परिचय (Introduction)

सन 1989 मे बर्लिन की दिवार गिरने के साथ ही ~~शुरुआ~~ समसामयिक विश्व मे एक युग की शुरुआत हुई बर्लिन की दिवार शीतयुद्ध का सबसे बड़ा प्रतीक माना गया है चीन की दिवार गिरते ही घटनाओ ने एक नया मोड़ ले लिया और इससे दुसरी दुनिया का पतन और शीत युद्ध का अंत हो गया।

सोवियत संघ का विघटन

why did the soviet union Disintegrate

इसके विश्लेषण करने वाले के लिये यह प्रश्न का उत्तर देना कठिन है की सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ। शायद सोवियत संघ की आर्थिक स्थिति और राजनीतिक संस्थाओं की कमी थी

(1) आर्थिक ठहराव :- सोवियत संघ के पास भारी मात्रा मे परमाणु और सैनिक शस्त्रागार थे। सोवियत संघ के लोग उतनी उन्नति कर नही पाये जितनी तेज विरोधी पश्चिमी के लोगो ने की

(2) राजनीतिक तथा प्रशासनिक ठहराव :- Political and Administrative stagnation) सोवियत संघ राजनीतिक और प्रशासनिक ठहराव से भी ग्रस्त था सोवियत साम्यवादी दल जो जनता के प्रति जवाबदेह

नहीं था

③ गोर्बाच्येव की भूमिका सोवियत विघटन का सबसे बड़ा कारण गोर्बाच्येव के प्रति उत्साही सुधार कार्यक्रम था। सोवियत संघ के बड़े वर्गों का मानना था की इन्हें एक तेज गति से विकास की आवश्यकता थी लेकिन गोर्बाच्येव की विकास बहुत धीमी थी।

④ राष्ट्रवाद का उदय तथा संप्रभुता की चाह :- Rise of Nationalism and Desire for Sovereignty) सोवियत संघ के विघटन का एक प्रमुख कारण राष्ट्रवाद का उदय तथा संप्रभुता की इच्छा थी।

⑤ मध्य एशिया के पिछड़े हुए गणराज्यों से अलग होने की इच्छा → Desire to Get Rid of Back ward Central-

शीत युद्ध के दौर मे यह माना जाता था की राष्ट्र वाद की उत्कंठा मध्य एशिया के गणराज्यों मे उनकी आर्थिक और जातीय विभिन्नता तथा आर्थिक पिछड़ेपन के कारण बहुत मजबूत थी।

साझेदारी की परिभाषा :- Partnership is the relation between persons who have agreed to share the profits of a business carried on by all or any of them acting for all.

साझेदारी की प्रमुख विशेषताएँ : (Features or characteristics of Partnership) :-

दो या दो से अधिक व्यक्ति (Two or more persons): 2, Max. 50
साझेदारों के बीच ठहराव (Agreement between partners) :-
लाभ कमाने का उद्देश्य (Profit Motive) :-
लाभों का बँटवारा (Sharing of Profits) :-
वैधानिक व्यापार (Legal Business)
स्वामी तथा एजेन्ट का संबंध (Relationship of Principal & Agent)
व्यवसाय का संचालन (Operation of Business) - सभी या कुछ)
असीमित दायित्व (Unlimited liabilities) :-

~~संक~~ साझेदारी संलेख (Partnership deed) :- लिखित or मौखिक
साझेदारी संलेख की विषय - वस्तु (Content of Pat. Deed) :-

साझेदारी संलेख की ~~अनुप~~ अभाव में लागू होने वाले नियम :-
(Rule applicable in the absence of Partnership deed) :-
लाभ - हानि विभाजन का समान अनुपात (Profits sharing ratio must be equal)
पूँजी पर कोई ब्याज नहीं (No interest on capital)
आहरण पर कोई ब्याज नहीं (No interest on Drawing)
किसी भी कार्य के लिए साझेदारों को वेतन या कमीशन नहीं
(No any salary or commission paid to Patners)
पूँजी के अलावा ऋण पर 6% वार्षिक का ब्याज
(Int on loan is allowed 6% p.a. only)
नये ~~साझे~~ साझेदार का प्रवेश सभी साझेदारों की सहमति से।